ARYA - GOOGLE WEB FONT

LIGHT 14/17

जागरण ब्यूरो, नई ढ़िल्ली: 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतरिक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्र के बाढ़ मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरों के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख ढ़िया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाढ़ जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर ढ़िखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला ढ़िनया का चौथा मुल्क बना ढ़िया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1इसरों के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोढ़ी ने मंगल और मार्स

DEMI 14/17

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतरिक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्र के बाद मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरों के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख दिया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाद जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर दिखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला दुनिया का चौथा मुल्क बना दिया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1इसरों के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने

BOOK 14/17

जागरण ब्यूरो, नई ढिल्ली: 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतिरक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्र के बाढ़ मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरों के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख ढ़िया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाढ़ जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर ढ़िखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला ढ़ुनिया का चौथा मुल्क बना ढ़िया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1इसरों के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोढ़ी ने मंगल और मार्स

હાના લેટ લાહા

BOLD 14/17

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतिरक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्र के बाद मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरों के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख दिया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाद जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर दिखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला दुनिया का चौथा मुल्क बना दिया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1इसरों के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक

REGULAR 14/17

जागरण ब्यूरो, नई ढ़िल्ली: 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतरिक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्र के बाढ़ मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरों के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख ढ़िया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाढ़ जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर ढ़िखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला ढ़ुनिया का चौथा मुल्क बना ढ़िया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1इसरों के बेंगलूर केंद्र में ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने

BLACK 14/17

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: 24 सितंबर 2014 की भोर भारत के लिए अंतिरक्ष में कामयाबी की नई लालिमा लेकर आई। 10 महीने की यात्र के बाद मंगलयान को 'लाल ग्रह' की कक्षा में पहुंचाने के साथ ही इसरो के वैज्ञानिकों ने एक नया इतिहास लिख दिया। अमेरिका और रूस जैसे मुल्कों ने कई बार की नाकामी के बाद जो सफलता हासिल की, उसे भारत ने पहले प्रयास में कर दिखाया। मार्स आर्बिटर मिशन (एमओएम) की सफलता ने भारत को मंगल ग्रह तक पहुंचने वाला दुनिया का चौथा मुल्क बना दिया। भारतीय यान से सूचनाएं और तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई हैं। 1इसरो